भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1903 का उत्तर

तत्काल टिकटों की बुकिंग

1903. डॉ. सुकान्त मजूमदार;

श्री खगेन मुर्मु:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) **क्या सरकार को जानकारी है कि आईआरसीटीसी पोर्टल के जरिए तत्काल रेल टिकट की बुकिंग नहीं हो पाने के दौरान सिस्टम द्वारा रद्दीकरण-प्रभार वसूला जाता है जबकि वह टिकट प्रयोक्ता द्वारा रद्द न किया जाकर सिस्टम द्वारा ही रद्द किया जाता है;**

(ख) **यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वित्त वर्ष 2018-19 और चालू वित्त वर्ष के दौरान ऐसे कितने मामलों का पता चला है;**

(ग) **क्या सरकार को जानकारी है कि आईआरसीटीसी पोर्टल के जरिए तत्काल रेल टिकट की बुकिंग नहीं हो पाने के दौरान पेमेंट गेटवेज प्रभार की भी कटौती की जाती है;**

(घ) **यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;**

(ङ) **क्या सरकार को जानकारी है कि इस तरह से प्रयोक्ता रेलवे के डिजिटल लेनदेन में विश्वास खो रहे हैं जिससे प्रधानमंत्री का डिजिटल इंडिया अभियान विफलता का सामना कर सकता है; और**

(च) **यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्रवाई की गई है?**

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

mm

तत्काल टिकटों की बुकिंग के संबंध में दिनांक 03.07.2019 को लोक सभा में डॉ. सुकान्त मजूमदार एवं श्री खगेन मुर्मु के अतारांकित प्रश्न सं. 1903 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): यात्रियों की तत्काल यात्रा आवश्यकताओं को सुविधा देने के लिए तत्काल कोटा के अंतर्गत सीमित संख्या में बर्थ/सीटें निर्धारित की गई हैं। ये बर्थें इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के साथ साथ रेलवे आरक्षण काउंटर दोनों के द्वारा पहले आओ पहले पाओ आधार पर बुक की जाती हैं। पुष्ट तत्काल टिकटों के समाप्त हो जाने पर प्रतीक्षा सूची की तत्काल टिकटें जारी की जाती हैं। ऐसी तत्काल टिकटों की प्रतीक्षा सूची की स्थिति उस टिकट से पहले बुक की गई टिकट के रद्द होने पर अपडेट हो जाती हैं। यह एक डायनेमिक प्रक्रिया है। यदि आरक्षण चार्ट के तैयार हो जाने के बाद भी तत्काल ई-टिकटों की स्थिति पूर्ण रूप से प्रतीक्षा सूची में रहती है तब यात्री नाम रिकॉर्ड (पीएनआर) पर बुक ऐसे यात्रियों का नाम आरक्षण चार्ट से हटा दिया जाता है। ऐसे मामलों में, मामूली लिपिकीय प्रभारों को काटने के पश्चात् किराए की वापसी सीधे उस लेखा में जमा हो जाती है जिस से बुकिंग संव्यवहार किया गया है।

इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के साथ साथ रेलवे आरक्षण काउंटर दोनों से बुक किए गए टिकटों पर समान लिपिकीय प्रभार वसूल किया जाता है। ई-टिकट के मामले में, पूर्णत: प्रतीक्षा सूची की ई-टिकटों के लिए स्वत: धनवापसी की सुविधा होने के कारण, यात्रीगण धन वापसी के लिए रेलवे आरक्षण काउंटरों पर जाकर आवेदन करने के झंझट से बच जाते हैं।

(ख): आरक्षण चार्ट से हटाई गई पूर्णत: प्रतीक्षा सूची की तत्काल ई-टिक्टों और किराए की स्वत: धन-वापसी का ब्यौरा निम्नानुसार है :

वित्त वर्ष	स्वत: धन-वापसी की गई पूर्णत: प्रतीक्षा सूची की तत्काल ई-टिक्टों की संख्या (लाख में)
2018-19	31.03
2019-20 (मई तक)	8.70

(ग) और (घ): तत्काल टिकटों सहित ई-टिकट की बुकिंग के दौरान बैंकों द्वारा इसके उपयोकर्ताओं से भुगतान गेटवे प्रभार लिया जाता है। यह टिकट की किसी भी बुकिंग स्थिति के बगैर बैंकों द्वारा एकत्रित किया जाता है। बहरहाल, टिकटों के रद्द होने के मामले में बैंकों द्वारा

mm

कोई भी ऑनलाइन संव्यवहार प्रभार नहीं लिया जाता है। साथ ही, विफल संव्यवहारों अर्थात् जहां भुगतान काट लिया जाता है परंतु टिकट जारी नहीं होती है, के मामले में बैंकों द्वारा भुगतान गेटवे प्रभार नहीं लिए जाता है।

(ड.) और (च) : जी नहीं। आईआरसीटीसी के माध्यम से ऑनलाइन टिकटिंग लोकप्रियता प्राप्त कर रही है और इसकी भागीदारी काउंटर टिकटों की तुलना में बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान, आईआरसीटीसी के माध्यम से बुक की गई ऑनलाइन टिकटें बुक की गई कुल आरक्षित टिकटों का 70% है। भारतीय रेलवे पर डिजीटल संव्यवहारों के प्रसार के लिए निम्नलिखित सहित अनेक उपाए किए गए हैं :-

i. **आईआरसीटीसी वेबसाइट के जरिए बुक की गई टिकटों के लिए भुगतान विभिन्न कैशलेस माध्यमों जैसे नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, कैश कार्ड, ई-वॉलेट यूनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) - भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) के जरिए किया जाता है।**

ii. **डिजिटल माध्यम से लेनदेन को बढ़ावा देने हेतु, टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग पर सेवा प्रभार को 23.11.2016 से बुक की गई टिकटों से हटा लिया गया है। यह सुविधा 31.03.2019 तक बढ़ा दी गई है।**

iii. **ऑनलाइन बुकिंग के लिए उपयोगकर्ता अनुकूल मोबाइल ऐप उपलब्ध है जिसमें क्रेडिट/डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग आदि के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है।**

iv. **आईआरसीटीसी वेबसाइट के जरिए ई-टिकटों की बुकिंग के लिए विदेशों से जारी अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट/डेबिट कार्ड स्वीकार किए जाते हैं।**

****

mm